वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर उत्तर प्रदेश



समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बरें

दिनांक: 15 अक्टूबर 2026

प्रस्तुति: मीडिया सेल

दैनिक जागरण

जौनपुर पैंथर्स के सिर सजा जेपीएल का ताज

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में आयोजित जौनपुर प्रीमियर लीग (जेपीएल) टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मैच में जौनपुर पैंथर्स ने बदलापुर ब्लेजर्स को दो विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। पैंथर्स ने 18.1 ओवर में आठ विकेट खोकर 112 रन का लक्ष्य हासिल किया।

बदलापुर ब्लेजर्स ने (बाल कृष्णा ने 29 रन) की बदौलत निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 111 रन बनाए। योगेश यादव ने 21, अखिल यादव और अजीत यादव ने 14-14 रनों का अंशदान किया। लगातार गिरते विकेटों के बीच दिव्य प्रकाश के आक्रामक बल्लेबाजी ने मुकाबले का रुख पलट दिया।

पैंथर्स ने दबाव के बीच लक्ष्य हासिल कर दो विकेट से जीत दर्ज कर ट्राफी पर कब्जा जमा लिया। फाइनल समारोह में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी सुरेश रैना, महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह, निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद, शाहगंज विधायक रमेश सिंह, पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह, आयोजक अभिषेक सिंह और सेफाली बग्गा सहित तमाम लोग रहे।



पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित जेपीएल टूर्नामेंट में विजेता जौनपुर पैंथर्स टीम के कप्तान को ट्राफी देते क्रिकेटर सुरेश रैना (बीच में) साथ में महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह, कैबिनेट मंत्री डा. संजय निषाद, कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह, व अभिनेता अभिषेक सिंह (क्रमश: दाएं से बाएं) ● जागरण

दैनिक जागरण

www.jagran.com

क्रिकेट प्रतिभाओं को मिले बड़ा मंच यूपी में हों अधिक रणजी टीमें : रैना

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सदस्य सुरेश रैना ने उत्तर प्रदेश में क्रिकेट प्रतिभाओं को व्यापक अवसर उपलब्ध कराने की वकालत की। कहा कि प्रदेश में खिलाड़ियों की क्षमता और क्रिकेट के प्रति बढ़ते रुझान को देखते हुए एक से अधिक रणजी टीमें होनी चाहिए। यहां के युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है, जरूरत उन्हें अपनी क्षमता साबित करने के लिए बेहतर मंच और अवसर देने की है। जौनपुर प्रीमियर लीग (जेपीएल) इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। वह बुधवार को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विवि के एकलव्य स्टेडियम में आयोजित जौनपुर प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में यहां पहुंचे थे।

सुरेश रैना ने कहा कि उत्तर प्रदेश में क्रिकेट की अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश में रणजी टीमों की संख्या बढ़ाने के सवाल पर कहा कि उत्तर प्रदेश का भौगोलिक विस्तार, खिलाड़ियों की संख्या और यहां मौजूद क्रिकेट प्रतिभाएं इस विषय पर विचार करने के आधार हैं। उन्होंने बिहार के युवा क्रिकेटरों का उदाहरण देते हुए कहा कि कम उम्र में भी खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से पहचान बना सकते हैं। उन्होंने जौनपुर प्रीमियर लीग के आयोजन के लिए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह और पूर्व आइएएस अधिकारी एवं अभिनेता अभिषेक सिंह की सराहना की। अपने क्रिकेट करियर के एक यादगार प्रसंग का उल्लेख करते हुए रैना ने 87 रन के व्यक्तिगत स्कोर पर रन आउट होने वाली पारी को दोबारा खेलने की इच्छा भी जाहिर की।



सुरेश रैना को सम्मानित करते कुलपति प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह साथ में जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन,एसपी डा .यशवीर सिंह व आयोजक अभिनेता अभिषेक सिंह ● जागरण

अमर उजाला



यूपी में हों एक से ज्यादा रणजी टीमें : सुरेश रैना

पूविवि की टीम को सराहा, कहा- छात्रावास में रहकर अभ्यास करने के मिलते थे अवसर

संवाद न्यूज एजेंसी

जौनपुर। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी सुरेश रैना ने उत्तर प्रदेश में एक से ज्यादा रणजी टीमें बनाने की वकालत की। बुधवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि प्रदेश में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कमी नहीं है।

खिलाड़ियों की संख्या और क्रिकेट के प्रति युवाओं के रुझान को देखते हुए उन्हें बड़े स्तर पर खेलने के ज्यादा अवसर मिलने चाहिए।

वे बुधवार को जौनपुर प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने क्रिकेट, युवा खिलाड़ियों की संभावनाओं और प्रदेश की रणजी टीम को लेकर अपनी बात रखी।

उन्होंने कहा कि जौनपुर प्रीमियर लीग में खिलाड़ियों का उत्साह और उनकी भागीदारी काफी दिलचस्प रही। यूपी तेजी से विकास कर रहा है और यहां खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए कई मंच मिल रहे हैं।


भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सदस्य सुरेश रैना।

युवाओं को इन अवसरों का लाभ उठाते हुए नियमित अभ्यास करना चाहिए और अपने खेल को बेहतर बनाने पर ध्यान देना चाहिए।

बिहार के युवा क्रिकेटरों का उदाहरण देते हुए सुरेश रैना ने कहा कि जब 15 साल का खिलाड़ी अपनी प्रतिभा के दम पर अच्छा प्रदर्शन कर सकता है तो दूसरे युवा भी मेहनत से आगे बढ़ सकते हैं।

उन्होंने अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा कि उस समय खिलाड़ियों को छात्रावास में रहकर अभ्यास करने के अवसर मिलते थे, जबकि आज युवाओं के पास अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए कई मंच उपलब्ध हैं।

विवि के एकलव्य स्टेडियम स्थित क्रिकेट मैदान की सराहना करते हुए उन्होंने ने विवि की टीम को ऊर्जावान और मेहनती बताया। कहा कि खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शत-प्रतिशत देना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि विवि के खिलाड़ी भविष्य में बड़े स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

100 रन का लक्ष्य तय कर मैदान में उतरें खिलाड़ी

सुरेश रैना ने युवा खिलाड़ियों को लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यदि कोई खिलाड़ी ठान ले कि उसे 100 रन बनाने हैं और उसी लक्ष्य के साथ मैदान पर उतरता है तो उसकी सफलता की संभावना बढ़ जाती है। खिलाड़ियों को अपने लक्ष्य के प्रति संकल्पित रहकर उसे हासिल करने के लिए पूरी मेहनत करनी चाहिए।

खिलाड़ियों से मिले, गेंद खेलकर दिखाया कौशल

सुरेश रैना ने खिलाड़ियों से मुलाकात की और कुछ गेंदें खेलकर अपना कौशल दिखाया। उन्होंने कहा कि मैच में हार-जीत होती रहती है, लेकिन खिलाड़ियों को खेल का आनंद लेना चाहिए। इस दौरान छात्र-छात्राओं में उनके साथ सेल्फी लेने और ऑटोग्राफ पाने का उत्साह दिखा।

भारतीय टीम के प्रदर्शन पर जताया भरोसा

भारतीय क्रिकेट टीम के प्रदर्शन पर सुरेश रैना ने कहा कि हाल के वर्षों में टीम ने शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने आगामी विश्व कप में भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई। विराट कोहली की फिटनेस और संभावित वापसी पर उन्होंने कहा कि कोहली फिट हैं और अगले विश्व कप में खेल सकते हैं। उन्होंने मोहम्मद शमी के प्रदर्शन की भी सराहना की।

जौनपुर पैंथर्स ने दो विकेट से जीती जेपीएल ट्रॉफी

दिव्य प्रकाश की तूफानी पारी ने पलटा मैच का रुख, 18.1 ओवर में हासिल किया लक्ष्य

मल्हनी। जौनपुर प्रीमियर लीग (जेपीएल) टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में जौनपुर पैंथर्स ने रोमांचक मुकाबले में बदलापुर ब्लेजर्स को दो विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में बुधवार को खेले गए मुकाबले में 112 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जौनपुर पैंथर्स की टीम ने आठ विकेट गंवाकर 18.1 ओवर में जीत दर्ज की। दिव्य प्रकाश की आक्रामक बल्लेबाजी ने मैच का रुख बदलने में अहम भूमिका निभाई।

फाइनल में टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी बदलापुर ब्लेजर्स की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 111 रन बनाए।

टीम की ओर से चाल कृष्णा ने 40 गेंदों पर 29 रन की पारी खेली। योगेश यादव ने 17 गेंदों पर 21 रन बनाए, जबकि अखिल यादव और अजीत यादव ने 14-14 रन का योगदान दिया।


जेपीएल ट्रॉफी के साथ विजेता जौनपुर पैंथर्स की टीम। स्रोत:पूविवि

जौनपुर पैंथर्स के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए विपक्षी टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचने से रोके रखा।

112 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जौनपुर पैंथर्स को बदलापुर ब्लेजर्स के गेंदबाजों ने लगातार दबाव में रखा। अंतिम ओवरों तक चले संघर्ष के बाद पैंथर्स ने 18.1 ओवर में आठ विकेट पर 112 रन बनाकर खिताबी जीत दर्ज की। संवाद

सार्वजनिक सूचना

एतद्वारा सूचित किया जाता है कि **Dandona Finance Limited** ने **M/s Malhotra Auto** (प्रोपराइटर: श्री गौरव मल्होत्रा) के साथ दिनांक **22.06.2023** को किए गए **Revenue Sharing Agreement** को समाप्त कर दिया है। उक्त समाप्ति **24.11.2026** से प्रभावी होगी।

उक्त तिथि से **M/s Malhotra Auto** को किसी भी प्रकार से **Dandona Finance Limited** की ओर से कार्य करने अथवा उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए अधिकृत नहीं किया गया है। इसमें वाहनों की खरीद के लिए किसी भी प्रकार की वित्तीय सुविधा का प्रस्ताव, प्रसंस्करण या व्यवस्था करना, ग्राहकों अथवा उधारकर्ताओं के साथ कोई भया वित्तीय समझौता करना अथवा **Dandona Finance Limited** की ओर से कोई भुगतान प्राप्त

अमर उजाला

पूविवि के छात्रों ने सीखे सुरक्षित ड्रोन उड़ाने के गुर तकनीक से हुए परिचित

मल्हनी। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में ड्रोन संचालन से जुड़े कानूनी प्रावधानों, उड़ान सुरक्षा और आधुनिक तकनीक की जानकारी दी गई। सुरक्षित ड्रोन उड़ाने के गुर और तकनीक से परिचित कराए गए।

इंजीनियरिंग संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग और सीडैक नोएडा के सहयोग से आयोजित मानव रहित विमान प्रणाली एवं उसका उपयोग बूटकैंप के तीसरे दिन विद्यार्थियों को ड्रोन नियमन, सेंसर और लिडार तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया।

उन्होंने ड्रोन के विभिन्न घटकों को जोड़ने का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कार्यशाला स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यार्थियों की ओर से सीखे जा रहे तकनीकी कौशल की सराहना करते हुए उन्हें नवाचार और प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया। विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी पर उन्होंने आयोजक टीम को भी बधाई दी। पहले सत्र में सी-डैक नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने ड्रोन रूल्स एंड रेगुलेशंस विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने भारत में ड्रोन संचालन से संबंधित कानूनी प्रावधानों, उड़ान सुरक्षा, पंजीकरण और जिम्मेदार उपयोग के बारे में जानकारी दी।

उनके शोध और तकनीकी अनुभव के आधार पर विद्यार्थियों को ड्रोन संचालन के नियामकीय पहलुओं से परिचित कराया गया। दूसरे सत्र में सी-डैक की प्रोजेक्ट इंजीनियर किरण वालिया ने सेंसर और लिडार तकनीक की जानकारी दी। उन्होंने रिमोट सेंसिंग, डेटा मैपिंग और ड्रोन के विभिन्न व्यावहारिक उपयोगों को उदाहरणों के माध्यम से समझाया। विद्यार्थियों को ड्रोन तकनीक के औद्योगिक उपयोग और आधुनिक तकनीकी जरूरतों की जानकारी मिली। ड्रोन के विभिन्न घटकों को जोड़ने और असेंबल करने का अभ्यास किया। संवाद

हिंदुस्तान

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com

अपना जौनपुर



दिव्य प्रकाश बने मैन ऑफ द सीरीज, आकाश तिवारी मैन ऑफ द मैच, क्रिकेटर सुरेश रैना ने विजेता टीम को दिया ट्राफी

बदलापुर को हरा जौनपुर ने जीती जेपीएल ट्राफी

प्रतिस्पर्धा

जौनपुर, संवाददाता। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में चल रहे जौनपुर प्रीमियर लीग (जेपीएल) के फाइनल मुकाबले में बुधवार को जौनपुर पैंथर्स ने बदलापुर ब्लेजर्स को दो विकेट से हराकर ट्राफी अपने नाम कर लिया। विजेता टीम को भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी रहे सुरेश रैना, कुलपति प्रो. आरके सिंह, डीएम सैमुअल पॉल एन और एसपी डॉ. यशवीर सिंह ने पुरस्कृत किया।

दोपहर करीब तीन बजे जौनपुर पैंथर्स और बदलापुर ब्लेजर्स के कप्तान ग्राउंड पर पहुंचे। दोनों टीमों के बीच टॉस कराया गया। टॉस जीतकर बदलापुर के कप्तान ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। यहां के खिलाड़ी बालकृष्ण के 29 गेंद पर 40 रन, योगेश के 17 गेंद पर 21 रन और अखिल के 11 गेंद पर 14 रन की पारी की बदौलत टीम ने 20 ओवर में 111 रन बनाया। जवाबी पारी खेलने उतरी जौनपुर पैंथर्स की टीम ने 18.1 ओवर में ही आठ विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। यहां के खिलाड़ी दिव्य प्रकाश ने 16 गेंद पर 31 रन की पारी खेली। उन्होंने दो चौका और दो छक्का लगाया। शुभ श्रीवास्तव ने 17 गेंद पर 19 रन और अभिलाश ने 13 रन का योगदान दिया। विजेता टीम के कप्तान अभिलाष मौर्या को ट्राफी दी गई। इस दौरान कैबिनेट मंत्री संजय निषाद, महाराष्ट्र के पूर्व गृहराज्यमंत्री एवं भाजपा नेता कृपाशंकर सिंह, आईएएस दुर्गाशक्ति नागपाल, पूर्व आईएएस अभिषेक सिंह, अभिनेत्री सेफाली बग्गा सहित अन्य मौजूद थे।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल: सुरेश रैना को देखते ही भीड़ मंच की ओर बढ़ने लगी। भीड़ को नियंत्रित करने में सुरक्षाकर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। आरोप है कि इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था मुकम्मल नहीं रही और पुलिसकर्मी भीड़ को संभालने में नाकाम रहे। देखते ही देखते लोग मंच तक पहुंच गए और सुरेश रैना के करीब जाने लगे। भीड़ के दबाव और अफरा-तफरी के बीच मंच पर लगी लाइटें टूट गईं तथा मंच को भी नुकसान पहुंचा। इस दौरान लोग एक-दूसरे से टकराते और गिरते-पड़ते नजर आए। भगदड़ जैसी स्थिति में कई लोगों के चोटिल होने की सूचना है।





पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में आयोजित जीपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में विजेता जौनपुर पैंथर्स के कप्तान अभिलाष मौर्य को ट्राफी देते भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी सुरेश रैना साथ में मौजूद कैबिनेट मंत्री संजय निषाद, भाजपा नेता कृपा शंकर सिंह पूर्व इस अभिषेक सिंह (बाएं) और (दाएं) फाइनल मुकाबले में विजेता जौनपुर पैंथर्स की टीम के खिलाड़ी।

सुरेश रैना को देखने उमड़ी भीड़, बेकाबू हुई स्थिति

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में आयोजित जेपीएल क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले के बाद देर शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्टार बल्लेबाज सुरेश रैना विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित करने पहुंचे। उन्हें देखने के लिए दर्शकों की भीड़ बेकाबू हो गई। स्थिति बिगड़ने से मंच पर लगी लाइटें टूट गईं और मंच भी क्षतिग्रस्त हो गया। इस दौरान भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई।

पिता ही क्रिकेट के मेरे पहले गुरु : रैना

जौनपुर, संवाददाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्टार खिलाड़ी सुरेश रैना ने कहा कि उनके पिता ही उनके पहले गुरु रहे हैं। पिता ने उनकी क्षमता से बढ़कर सहयोग किया और उनके सपनों को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास किया। उनकी बदौलत वह लखनऊ के हॉस्टल तक पहुंचे और क्रिकेट की दुनिया में अपनी पहचान बनाई।

उन्होंने कहा कि जीवन में किसी भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए सही मार्गदर्शन, दृढ़ इच्छाशक्ति और सकारात्मक सोच बेहद जरूरी है। बुधवार को पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर देश के विभिन्न हिस्सों तक प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कमी नहीं है। जरूरत है उनकी प्रतिभा को पहचानने, उन्हें तराशने और सही दिशा देने की। इसके लिए खिलाड़ियों का माइंडसेट तैयार करना होगा, ताकि वे अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर आगे बढ़ सकें। उन्होंने कहा कि जौनपुर में खेलों को बढ़ावा देने के लिए जो पहल की जा रही है, वह सराहनीय है। भविष्य में बेहतर संसाधनों और सुविधाओं की उपलब्धता से स्थानीय खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में स्टेडियम, प्रशिक्षण केंद्र और खेल संबंधी आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएं तो यहां की प्रतिभाएं भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकती हैं।

- ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं, तराशने के लिए बेहतर संसाधन
- स्टेडियम, प्रशिक्षण केंद्र और आवश्यक सुविधाएं बढ़ाने की जरूरत

आज

ड्रोन संचालन से जुड़े कानूनी प्रावधान पर चर्चा

सरायख्वाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सी-डैक, नोएडा के सहयोग से



आयोजित पांच दिवसीय मानव रहित विमान प्रणाली एवं उसका उपयोग बूटकैंप का तीसरा दिन ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक गतिविधियों से भरपूर रहा। बूटकैंप में विद्यार्थियों ने ड्रोन नियमन, सेंसर तकनीक, लिडार तकनीक तथा ड्रोन असेंबली का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कार्यशाला स्थल का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त किए जा रहे तकनीकी कौशल की सराहना की। बूटकैंप में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी और उत्साह देखकर उन्होंने आयोजक टीम को भी बधाई दी। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में सी-डैक, नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने ड्रोन रूल्स एंड रेगुलेशंस पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने भारत में ड्रोन संचालन से जुड़े कानूनी प्रावधान, उड़ान सुरक्षा, पंजीकरण एवं जिम्मेदार दूसरे सत्र में सी-डैक की विद्यार्थियों को उद्योग की समकालीन आवश्यकताओं और ड्रोन तकनीक के व्यावहारिक उपयोगों से रूबरू कराया गया। प्रायोगिक सत्र में

पीयू में ड्रोन बूटकैंप का तीसरा दिन संपन्न

विद्यार्थियों ने स्वयं ड्रोन के विभिन्न घटकों को जोड़ना अर्थात असेंबल करना सीखा। इस अभ्यास ने उनके तकनीकी आत्मविश्वास, समस्या-समाधान कौशल और विज्ञान के प्रति रुचि को और मजबूत किया। इस आयोजन को सफल बनाने में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के शिक्षकों एवं सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जनसंदेश टाइम्स

जौनपुर की भी रणजी टीम बननी चाहिए : सुरेश रैना

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में चल रहे जौनपुर प्रीमियर लीग में पहुंचे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा कि जौनपुर में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। यहां के खिलाड़ियों को बेहतर मंच और अवसर मिलने चाहिए। उन्होंने उत्तर प्रदेश में रणजी टीमों की संख्या बढ़ाकर छह करने और उनमें जौनपुर की टीम को भी शामिल करने की वकालत की। सुरेश रैना ने कहा कि जौनपुर प्रीमियर लीग एक अच्छी पहल है। इसके आयोजन में विवि प्रशासन और जिला प्रशासन का सहयोग सराहनीय है। यहां का मैदान भी अच्छा है। कहा कि किसी भी लीग के सफल आयोजन के लिए टीमवर्क और सहयोग जरूरी है। इस तरह की प्रतियोगिताओं से स्थानीय खिलाड़ियों को प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है।

रणजी टीम के सवाल पर उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री से इस विषय पर बातचीत की है। रणजी टीमों का गठन बीसीसीआई के अधिकार क्षेत्र में आता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश बड़ा राज्य है, इसलिए यहां चार के बजाय छह रणजी टीमें बनाने पर विचार होना चाहिए। जौनपुर की टीम को भी मौका मिलना चाहिए। युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की सराहना करते हुए रैना ने कहा कि बिहार का 15 वर्षीय खिलाड़ी अपनी प्रतिभा से दुनिया में पहचान बना रहा है। उसके पिता ने उसे तैयार करने में काफी मेहनत की है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट कौशल के साथ मानसिक मजबूती का भी खेल है। खिलाड़ियों को लक्ष्य तय कर मेहनत करनी चाहिए। रैना ने कहा कि देश में खिलाड़ियों को अच्छा सहयोग मिल रहा है। जौनपुर से भी प्रतिभाशाली खिलाड़ी निकल सकते हैं। इसके लिए नियमित अभ्यास, अनुशासन और आत्मविश्वास जरूरी है। उन्होंने खिलाड़ियों से हर स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। इस दौरान कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह, जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. सहित अन्य लोग मौजूद रहे।



पत्रकारों से बातचीत करते क्रिकेटर सुरेश रैना व साथ में डीएम जौनपुर

जनसंदेश टाइम्स

विद्यार्थियों ने वेका टूल से सीखी मशीन लर्निंग की बारीकियां

जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विवि, जौनपुर के इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित ह्यएआई एवं एमएल लर्निंग सीरीजह्न के दूसरे व्याख्यान का बुधवार को सफल आयोजन किया गया। वेका टूल के माध्यम से मशीन लर्निंग की मूल अवधारणाएं विषय पर आयोजित यह व्याख्यान ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से संपन्न हुआ, जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों के 145 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। मुख्य वक्ता डॉ. अनुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग की मूल बातें, डेटा का विश्लेषण, डेटा की तैयारी तथा वेका टूल के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। कार्यक्रम का आयोजन इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के डीन प्रो. सौरभ पाल तथा कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में किया गया। समिति के सदस्य दिलीप यादव, अशोक कुमार यादव एवं कृष्ण कुमार यादव का कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान रहा। आयोजन टीम ने विवि प्रशासन, मुख्य वक्ता, शिक्षकगण एवं सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

जनसंदेश टाइम्स

ड्रोन संचालन से जुड़े कानूनी प्रावधान पर चर्चा

कार्यक्रम

कुलपति ने छात्रों के कौशल की सराहना की, पीयू में ड्रोन बूटकैंप का तीसरा दिन संपन्न



वर्कशॉप के दौरान विद्यार्थियों से बातचीत करते कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह।

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सी-डैक, नोएडा के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय मानव रहित विमान प्रणाली एवं उसका उपयोग बूटकैंप का तीसरा दिन ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक गतिविधियों से भरपूर रहा। बूटकैंप में विद्यार्थियों ने ड्रोन नियमन, सेंसर तकनीक, लिडार तकनीक तथा ड्रोन असेंबली का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कार्यशाला स्थल का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त किए जा रहे तकनीकी कौशल की सराहना की। उन्होंने छात्र-छात्राओं को नवाचार, प्रयोग और आधुनिक प्रौद्योगिकी सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। बूटकैंप में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी और उत्साह देखकर उन्होंने आयोजक टीम को भी बधाई दी।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में सी-डैक, नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने ड्रोन रूल्स एंड रेगुलेशंस पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने भारत में ड्रोन संचालन से जुड़े कानूनी प्रावधान, उड़ान सुरक्षा, पंजीकरण एवं जिम्मेदार उपयोग को सरल भाषा में समझाया। उनके लगभग दो दशकों के शोध एवं तकनीकी अनुभव ने सत्र को विशेष उपयोगी बनाया। दूसरे सत्र में सी-डैक की प्रोजेक्ट इंजीनियर किरण वालिया ने इंट्रोडक्शन टू सेंसर्स तथा लिडार तकनीक पर जानकारी दी। उन्होंने रिमोट सेंसिंग, डेटा मैपिंग और ड्रोन आधारित वास्तविक अनुप्रयोगों को उदाहरणों के साथ समझाया। विद्यार्थियों को उद्योग की समकालीन आवश्यकताओं और ड्रोन तकनीक के व्यावहारिक उपयोगों से रूबरू कराया गया। इनमें डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी, डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, शैलेश प्रजापति, सुधीर सिंह, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. पारुल त्रिवेदी, डॉ. ज्योति पी. सिंह, पूनम सोनकर, तुषार, विशाल, जया शुक्ला, नवीन चौरसिया तथा अनुराग प्रमुख रूप से शामिल रहे।

पूर्वांचल लाइफ

ड्रोन संचालन से जुड़े कानूनी प्रावधान पर हुई चर्चा

- कुलपति ने छात्रों के कौशल की सराहना की
- पीयू में ड्रोन बूटकैंप का तीसरा दिन संपन्न



पूर्वांचल लाइफ जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सी-डैक, नोएडा के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय "मानव रहित विमान प्रणाली एवं उसका उपयोग" बूटकैंप का तीसरा दिन ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक गतिविधियों से भरपूर रहा। बूटकैंप में विद्यार्थियों ने ड्रोन नियमन, सेंसर तकनीक, लिडार तकनीक तथा ड्रोन असेंबली का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कार्यशाला स्थल का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त किए जा रहे तकनीकी कौशल की सराहना की। उन्होंने छात्र-छात्राओं को नवाचार, प्रयोग और आधुनिक प्रौद्योगिकी सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। बूटकैंप में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी और उत्साह देखकर उन्होंने आयोजक टीम को भी बधाई दी। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में सी-डैक, नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने "ड्रोन रूल्स एंड रेगुलेशंस" पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने भारत में ड्रोन संचालन से जुड़े कानूनी प्रावधान, उड़ान सुरक्षा, पंजीकरण एवं जिम्मेदार उपयोग को सरल भाषा में समझाया। उनके लगभग दो दशकों के शोध एवं तकनीकी अनुभव ने सत्र को विशेष उपयोगी बनाया। दूसरे सत्र में सी-डैक की प्रोजेक्ट इंजीनियर किरण वालिया ने "इंट्रोडक्शन टू सेंसर्स" तथा लिडार तकनीक पर जानकारी दी। उन्होंने रिमोट सेंसिंग, डेटा मैपिंग और ड्रोन आधारित वास्तविक अनुप्रयोगों को उदाहरणों के साथ समझाया। विद्यार्थियों को उद्योग की समकालीन आवश्यकताओं और ड्रोन तकनीक के व्यावहारिक उपयोगों से रूबरू कराया गया। प्रायोगिक सत्र में विद्यार्थियों ने स्वयं ड्रोन के विभिन्न घटकों को जोड़ना अर्थात असेंबल करना सीखा। इस अभ्यास ने उनके तकनीकी आत्मविश्वास, समस्या-समाधान कौशल और विज्ञान के प्रति रुचि को और मजबूत किया। बूटकैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानव रहित विमान प्रणाली, सेंसर तकनीक और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों में दक्ष बनाना है। इस आयोजन को सफल बनाने में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के शिक्षकों एवं सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी, डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, शैलेश प्रजापति, सुधीर सिंह, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. पारुल त्रिवेदी, डॉ. ज्योति पी. सिंह, पूनम सोनकर, तुषार, विशाल, जया शुक्ला, नवीन चौरसिया तथा अनुराग प्रमुख रूप से शामिल रहे।

विद्यार्थियों ने वेका टूल से सीखी मशीन लर्निंग की बारीकियां

- पीयू में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का दूसरा व्याख्यान संपन्न



पूर्वांचल लाईफ जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित 'एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज' के दूसरे व्याख्यान का बुधवार को सफल आयोजन किया गया। "वेका टूल के माध्यम से मशीन लर्निंग की मूल अवधारणाएं" विषय पर आयोजित यह व्याख्यान ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से संपन्न हुआ, जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों के 145 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। मुख्य वक्ता डॉ. अनुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग की मूल बातें, डेटा का विश्लेषण, डेटा की तैयारी तथा वेका टूल के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोई भी मशीन लर्निंग मॉडल तभी बेहतर काम करता है, जब उसका डेटा सही, साफ और उपयुक्त रूप में तैयार किया गया हो। डॉ. अग्रवाल ने विद्यार्थियों को सरल उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि डेटा में संख्यात्मक और श्रेणीबद्ध जानकारी कैसे होती है, खाली या गलत मान कैसे पहचाने जाते हैं तथा डेटा के वितरण, संबंध और असंतुलन का विश्लेषण क्यों आवश्यक है। उन्होंने डेटासेट की जांच से लेकर मॉडल का प्रशिक्षण, परीक्षण और परिणामों की समझ तक की पूरी प्रक्रिया वेका टूल के जरिए प्रदर्शित की। उन्होंने कहा कि आज के तकनीकी युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग का ज्ञान विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी है। इस तरह के व्यावहारिक प्रशिक्षण से विद्यार्थी केवल सैद्धांतिक जानकारी ही नहीं प्राप्त करते, बल्कि वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए तकनीक का उपयोग करना भी सीखते हैं। कार्यक्रम का आयोजन इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के डीन प्रो. सौरभ पाल तथा कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव एवं कृष्ण कुमार यादव का कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस लर्निंग सीरीज का उद्देश्य विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग के क्षेत्र में व्यावहारिक ज्ञान, तकनीकी कौशल और परियोजना-आधारित अधिगम के अवसर प्रदान करना है। आगामी व्याख्यानों में विभिन्न मशीन लर्निंग एल्गोरिदम, मॉडल के मूल्यांकन तथा विद्यार्थियों की परियोजनाओं के प्रदर्शन पर विशेष जोर दिया जाएगा। आयोजन टीम ने विश्वविद्यालय प्रशासन, मुख्य वक्ता, शिक्षकगण एवं सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

न्यूज फ्लिक्स टाइम

विद्यार्थियों ने वेका टूल से सीखी मशीन लर्निंग की बारीकियां

पीयू में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का दूसरा व्याख्यान संपन्न

न्यूजफ्लिक्स टाइम्स



जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज के दूसरे व्याख्यान का बुधवार को सफल आयोजन किया गया। वेका टूल के माध्यम से मशीन लर्निंग की मूल अवधारणाएं विषय पर आयोजित यह व्याख्यान ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से संपन्न हुआ, जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों के 145 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। मुख्य वक्ता डॉ. अनुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग की मूल बातें, डेटा का विश्लेषण, डेटा की तैयारी तथा वेका टूल के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोई भी मशीन लर्निंग मॉडल तभी बेहतर काम करता है, जब उसका डेटा सही, साफ और उपयुक्त रूप में तैयार किया गया हो।

डॉ. अग्रवाल ने विद्यार्थियों को सरल उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि डेटा में संख्यात्मक और श्रेणीबद्ध जानकारी कैसे होती है, खाली या गलत मान कैसे पहचाने जाते हैं तथा डेटा के वितरण, संबंध और असंतुलन का विश्लेषण क्यों आवश्यक है। उन्होंने डेटासेट की जांच से लेकर मॉडल का प्रशिक्षण, परीक्षण और परिणामों की समझ तक की पूरी प्रक्रिया वेका टूल के जरिए प्रदर्शित की।

उन्होंने कहा कि आज के तकनीकी युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग का ज्ञान विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी है। इस तरह के व्यावहारिक प्रशिक्षण से विद्यार्थी केवल सैद्धांतिक जानकारी ही नहीं प्राप्त करते, बल्कि वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए तकनीक का उपयोग करना भी सीखते हैं।

कार्यक्रम का आयोजन इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के डीन प्रो. सौरभ पाल तथा कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव एवं कृष्ण कुमार यादव का कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इस लर्निंग सीरीज का उद्देश्य विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग के क्षेत्र में व्यावहारिक ज्ञान, तकनीकी कौशल और परियोजना-आधारित अधिगम के अवसर प्रदान करना है। आगामी व्याख्यानों में विभिन्न मशीन लर्निंग एल्गोरिदम, मॉडल के मूल्यांकन तथा विद्यार्थियों की परियोजनाओं के प्रदर्शन पर विशेष जोर दिया जाएगा। आयोजन टीम ने विश्वविद्यालय प्रशासन, मुख्य वक्ता, शिक्षकगण एवं सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

ड्रोन संचालन से जुड़े कानूनी प्रावधान पर हुई चर्चा

कुलपति ने छात्रों के कौशल की सराहना की

न्यूजफ्लिक्स टाइम्स



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सी-डैक, नोएडा के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय मानव रहित विमान प्रणाली एवं उसका उपयोग बूटकैंप का तीसरा दिन ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक गतिविधियों से भरपूर रहा। बूटकैंप में विद्यार्थियों ने ड्रोन नियमन, सेंसर तकनीक, लिडार तकनीक तथा ड्रोन असेंबली का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कार्यशाला स्थल का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त किए जा रहे तकनीकी कौशल की सराहना की। उन्होंने छात्र-छात्राओं को नवाचार, प्रयोग और आधुनिक प्रौद्योगिकी सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। बूटकैंप में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी और उत्साह देखकर उन्होंने आयोजक टीम को भी बधाई दी। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में सी-डैक, नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने ड्रोन रूल्स एंड रेगुलेशंस पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने भारत में ड्रोन संचालन से जुड़े कानूनी प्रावधान, उड़ान सुरक्षा, पंजीकरण एवं जिम्मेदार उपयोग को सरल भाषा में समझाया। उनके लगभग दो दशकों के शोध एवं तकनीकी अनुभव ने सत्र को विशेष उपयोगी बनाया। दूसरे सत्र में सी-डैक की प्रोजेक्ट इंजीनियर किरण वालिया ने इंट्रोडक्शन टू सेंसर्स तथा लिडार तकनीक पर जानकारी दी। उन्होंने रिमोट सेंसिंग, डेटा मैपिंग और ड्रोन आधारित वास्तविक अनुप्रयोगों को उदाहरणों के साथ समझाया। विद्यार्थियों को उद्योग की समकालीन आवश्यकताओं और ड्रोन तकनीक के व्यावहारिक उपयोगों से रूबरू कराया गया। प्रायोगिक सत्र में विद्यार्थियों ने स्वयं ड्रोन के विभिन्न घटकों को जोड़ना अर्थात असेंबल करना सीखा। इस अभ्यास ने उनके तकनीकी आत्मविश्वास, समस्या-समाधान कौशल और विज्ञान के प्रति रुचि को और मजबूत किया। बूटकैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानव रहित विमान प्रणाली, सेंसर तकनीक और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों में दक्ष बनाना है। इस आयोजन को सफल बनाने में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के शिक्षकों एवं सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी, डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, शैलेश प्रजापति, सुधीर सिंह, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. पारुल त्रिवेदी, डॉ. ज्योति पी. सिंह, पूनम सोनकर, तुषार, विशाल, जया शुक्ला, नवीन चौरसिया तथा अनुराग प्रमुख रूप से शामिल रहे।

खबर कोश

ड्रोन संचालन से जुड़े कानूनी प्रावधान पर हुई चर्चा

कुलपति ने छात्रों के कौशल की सराहना की

खबर कोश

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सी-डैक, नोएडा के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय मानव रहित विमान प्रणाली एवं उसका उपयोग बूटकैंप का तीसरा दिन ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक गतिविधियों से भरपूर रहा। बूटकैंप में विद्यार्थियों ने ड्रोन नियमन, सेंसर तकनीक, लिडार तकनीक तथा ड्रोन असेंबली का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कार्यशाला स्थल का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त किए जा रहे तकनीकी कौशल की सराहना की। उन्होंने छात्र-छात्राओं को नवाचार, प्रयोग और आधुनिक प्रौद्योगिकी सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। बूटकैंप में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी और उत्साह देखकर उन्होंने आयोजक टीम को भी बधाई दी। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में सी-डैक, नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने ड्रोन रूल्स एंड रेगुलेशंस पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने भारत में ड्रोन संचालन से जुड़े कानूनी प्रावधान, उड़ान सुरक्षा, पंजीकरण एवं जिम्मेदार उपयोग को सरल भाषा में समझाया। उनके लगभग दो दशकों के शोध एवं तकनीकी अनुभव ने सत्र को विशेष उपयोगी बनाया। दूसरे सत्र में सी-डैक की प्रोजेक्ट इंजीनियर किरण वालिया ने इंट्रोडक्शन टू सेंसर्स तथा लिडार तकनीक पर जानकारी दी। उन्होंने रिमोट सेंसिंग, डेटा मैपिंग और ड्रोन आधारित वास्तविक अनुप्रयोगों को उदाहरणों के साथ समझाया। विद्यार्थियों को उद्योग की समकालीन



आवश्यकताओं और ड्रोन तकनीक के व्यावहारिक उपयोगों से रूबरू कराया गया। प्रायोगिक सत्र में विद्यार्थियों ने स्वयं ड्रोन के विभिन्न घटकों को जोड़ना अर्थात असेंबल करना सीखा। इस अभ्यास ने उनके तकनीकी आत्मविश्वास, समस्या-समाधान कौशल और विज्ञान के प्रति रुचि को और मजबूत किया। बूटकैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानव रहित विमान प्रणाली, सेंसर तकनीक और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों में दक्ष बनाना है। इस आयोजन को सफल बनाने में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के शिक्षकों एवं सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी, डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, शैलेश प्रजापति, सुधीर सिंह, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. पारुल त्रिवेदी, डॉ. ज्योति पी. सिंह, पूनम सोनकर, तुषार, विशाल, जया शुक्ला, नवीन चौरसिया तथा अनुराग प्रमुख रूप से शामिल रहे।

खबर कोश

विद्यार्थियों ने वेका टूल से सीखी मशीन लर्निंग की बारीकियां

पीयू में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का दूसरा व्याख्यान संपन्न

खबर कोश

जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज के दूसरे व्याख्यान का बुधवार को सफल आयोजन किया गया। वेका टूल के माध्यम से मशीन लर्निंग की मूल अवधारणाएं विषय पर आयोजित यह व्याख्यान ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से संपन्न हुआ, जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों के 145 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। मुख्य वक्ता डॉ. अनुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग की मूल बातें, डेटा का विश्लेषण, डेटा की तैयारी तथा वेका टूल के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोई भी मशीन लर्निंग मॉडल तभी बेहतर काम करता है, जब उसका डेटा सही, साफ और उपयुक्त रूप में तैयार किया गया हो।

डॉ. अग्रवाल ने विद्यार्थियों को सरल उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि डेटा में संख्यात्मक और श्रेणीबद्ध जानकारी कैसे होती



है, खाली या गलत मान कैसे पहचाने जाते हैं तथा डेटा के वितरण, संबंध और असंतुलन का विश्लेषण क्यों आवश्यक है। उन्होंने डेटासेट की जांच से लेकर मॉडल का प्रशिक्षण, परीक्षण और परिणामों की समझ तक की पूरी प्रक्रिया वेका टूल के जरिए प्रदर्शित की।

उन्होंने कहा कि आज के तकनीकी युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग का ज्ञान विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी है। इस तरह के व्यावहारिक प्रशिक्षण से विद्यार्थी केवल सैद्धांतिक जानकारी ही नहीं प्राप्त करते, बल्कि वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए तकनीक का उपयोग करना भी सीखते हैं।

कार्यक्रम का आयोजन इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के डीन प्रो. सौरभ पाल तथा कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव एवं कृष्ण कुमार यादव का कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इस लर्निंग सीरीज का उद्देश्य विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग के क्षेत्र में व्यावहारिक ज्ञान, तकनीकी कौशल और परियोजना-आधारित अधिगम के अवसर प्रदान करना है। आगामी व्याख्यानों में विभिन्न मशीन लर्निंग एल्गोरिदम, मॉडल के मूल्यांकन तथा विद्यार्थियों की परियोजनाओं के प्रदर्शन पर विशेष जोर दिया जाएगा। आयोजन टीम ने विश्वविद्यालय प्रशासन, मुख्य वक्ता, शिक्षकगण एवं सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

NIP

Third Day of Drone Bootcamp Concludes at PU

Jaunpur: The third day of the five-day bootcamp on "Unmanned Aircraft Systems and Their Applications", organised by the Department of Electronics Engineering at the Institute of Engineering, Veer Bahadur Singh Purvanchal University, in collaboration with C-DAC, Noida, was filled with informative sessions and practical activities. During the bootcamp, students received hands-on training in drone rules and regulations, sensor technology, LiDAR technology and drone assembly. University Vice-Chancellor Prof Rakesh Kumar Singh inspected the workshop venue and appreciated the technical skills being acquired by the students. He encouraged them to pursue innovation, experimentation and learning in modern technologies. Impressed by their active participation and enthusiasm, he also congratulated the organising team.



In the first session, Dr Kalpana Johri, Scientist-F at C-DAC, Noida, delivered a detailed presentation on "Drone Rules and Regulations". She explained the legal provisions governing drone operations in India, flight safety, registration requirements and responsible use in simple terms. Her nearly two decades of research and technical experience made the session particularly informative. In the second session, Kiran Walia, Project Engineer at C-DAC, spoke on "Introduction to Sensors" and LiDAR technology. Using practical examples, she explained remote sensing, data mapping and real-world applications of drones. The session familiarised students with contemporary industry requirements and the practical uses of drone technology. During the practical session, students learned to assemble various components of a drone themselves. The exercise strengthened their technical confidence, problem-solving abilities and interest in science. The bootcamp aims to equip students with skills in unmanned aircraft systems, sensor technology and their practical applications.

अमृत प्रभात

पीयू में एआई और एमएल लर्निंग सीरीजः छात्रों ने 'वेका टूल' के जरिए समझी मशीन लर्निंग की बारीकियां

अमृत प्रभात, जौनपुर (नि.सं.)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा संचालित ह्यएआई एवं एमएल लर्निंग सीरीजह्ल के दूसरे व्याख्यान में छात्रों ने वेका टूल के माध्यम से मशीन लर्निंग की मूल अवधारणाओं का प्रशिक्षण प्राप्त किया। ऑनलाइन एवं ऑफलाइन आयोजित इस सत्र में 145 विद्यार्थियों ने भाग लिया। मुख्य वक्ता डॉ. अनुश्री अग्रवाल ने डेटा विश्लेषण, डेटा तैयारी और वेका टूल के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने डेटासेट की जांच से लेकर मॉडल के प्रशिक्षण और परीक्षण की पूरी प्रक्रिया को सरल उदाहरणों से समझाया। कार्यक्रम का आयोजन प्रो. सौरभ पाल और डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में किया गया।

जौनपुर धारा

पीयू में 145 विद्यार्थियों ने सीखा वेका टूल से मशीन लर्निंग का इस्तेमाल

एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज के दूसरे व्याख्यान में डेटा की तैयारी और मॉडल परीक्षण की दी गई जानकारी

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग की ओर से बुधवार को 'एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज' का दूसरा व्याख्यान आयोजित किया गया। 'वेका टूल के माध्यम से मशीन लर्निंग की मूल अवधारणाएं' विषयक इस कार्यक्रम में ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से विभिन्न पाठ्यक्रमों के 145 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

मुख्य वक्ता डॉ. अनुश्री अग्रवाल ने मशीन लर्निंग, डेटा



विश्लेषण और डेटा तैयार करने की प्रक्रिया समझाई।

उन्होंने बताया कि मशीन लर्निंग मॉडल की गुणवत्ता काफी हद तक डेटा की शुद्धता और उपयुक्त तैयारी पर निर्भर करती है। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से संख्यात्मक और श्रेणीबद्ध डेटा, खाली या गलत मानों की पहचान तथा डेटा के वितरण और असंतुलन के विश्लेषण की जानकारी दी। वेका टूल के जरिए डेटासेट की जांच, मॉडल प्रशिक्षण, परीक्षण और परिणामों के आकलन की प्रक्रिया भी प्रदर्शित की गई।

डॉ. अग्रवाल ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग का व्यावहारिक ज्ञान विद्यार्थियों को वास्तविक समस्याओं के समाधान में मदद कर सकता है। कार्यक्रम का आयोजन संकाय के डीन प्रो. सौरभ पाल और विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में हुआ। आयोजन में दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव और कृष्ण कुमार यादव ने सहयोग किया। आगामी व्याख्यानों में मशीन लर्निंग एल्गोरिदम, मॉडल मूल्यांकन और विद्यार्थियों की परियोजनाओं पर जोर दिया जाएगा।

जौनपुर धारा

पीयू के विद्यार्थियों ने सीखा ड्रोन असेंबली और लिडार तकनीक का इस्तेमाल



जौनपुर धारा,जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान में सी-डैक, नोएडा के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय बूटकैंप में विद्यार्थियों को ड्रोन तकनीक का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की ओर से आयोजित 'मानव रहित विमान प्रणाली एवं उसका उपयोग' विषयक बूटकैंप के तीसरे दिन ड्रोन नियमन, सेंसर, लिडार तकनीक और ड्रोन असेंबली पर सत्र हुए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने प्रशिक्षण स्थल का निरीक्षण कर विद्यार्थियों के तकनीकी अभ्यास की जानकारी ली। उन्होंने छात्र-छात्राओं को आधुनिक तकनीक सीखने, प्रयोग करने और नवाचार के लिए प्रेरित किया। पहले सत्र में सी-डैक नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने ड्रोन संचालन से जुड़े कानूनी प्रावधानों, पंजीकरण, उड़ान सुरक्षा और जिम्मेदार उपयोग के बारे में बताया। दूसरे सत्र में परियोजना अभियंता किरण वालिया ने सेंसर और लिडार तकनीक की जानकारी देते हुए रिमोट सेंसिंग, डेटा मैपिंग तथा ड्रोन के व्यावहारिक उपयोग समझाए। प्रायोगिक सत्र में विद्यार्थियों ने ड्रोन के विभिन्न घटकों को जोड़कर असेंबल करना सीखा। इससे उन्हें ड्रोन प्रणाली की कार्यप्रणाली को करीब से समझने का अवसर मिला। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानव रहित विमान प्रणाली और उससे जुड़ी तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान देना है। आयोजन में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के शिक्षकों और सहयोगियों ने भी योगदान दिया।

लोक भारती

ड्रोन संचालन से जुड़े कानूनी प्रावधान पर हुई चर्चा

➤ बूटकैंप में विद्यार्थियों ने ड्रोन नियमन सेंसर तकनीक लिडार तकनीक तथा ड्रोन असेंबली का व्यावहारिक प्रशिक्षण



लोकभारती न्यूज ब्यूरो

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सी-डैक, नोएडा के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय मानव रहित विमान प्रणाली एवं उसका उपयोग बूटकैंप का तीसरा दिन ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक गतिविधियों से भरपूर रहा।

बूटकैंप में विद्यार्थियों ने ड्रोन नियमन, सेंसर तकनीक, लिडार तकनीक तथा ड्रोन असेंबली का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कार्यशाला स्थल का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त किए जा रहे तकनीकी कौशल की सराहना की। उन्होंने छात्र-छात्राओं को नवाचार, प्रयोग और आधुनिक प्रौद्योगिकी सीखने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में सी-डैक, नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने ड्रोन रूल्स एंड रेगुलेशंस पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने भारत में ड्रोन संचालन से जुड़े कानूनी प्रावधान, उड़ान सुरक्षा, पंजीकरण एवं जिम्मेदार उपयोग को सरल भाषा में समझाया। उनके लगभग दो दशकों के शोध एवं तकनीकी अनुभव ने सत्र को विशेष उपयोगी बनाया। डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी, डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, शैलेश प्रजापति, सुधीर सिंह, डॉ. रीतेश बरनवाल, आदि शामिल रहे।

तरुण मित्र

सुरेश रैना की गेंद पर कुलपति और डीएम ने लगाए शॉट

तरूणमित्र न्यूज

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित जौनपुर प्रीमियर लीग (जीपीएल)के फाइनल मुकाबले में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी सुरेश रैना पहुंचे तो खिलाड़ियों का उत्साह दोगुना हो गया। अपने चहेते क्रिकेटर को सामने देखकर खिलाड़ियों में खासा जोश नजर आया। मैदान में खेल, उत्साह और अधिकारियों की मौजूदगी का अनूठा संगम देखने को मिला।

मैच शुरू होने से पहले सुरेश रैना ने गेंदबाजी की। उनकी गेंद पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राकेश सिंह और जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन ने बल्ले से शॉट लगाए तो पूरा मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस दौरान खिलाड़ियों और अधिकारियों के बीच क्रिकेट को लेकर खास उत्साह देखने को मिला।

मीडिया से बातचीत में सुरेश रैना ने कहा कि पूर्वांचल समेत पूरे उत्तर प्रदेश में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की भरमार है। जरूरत केवल उन्हें सही प्रशिक्षण देकर तराशने और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने की है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में क्रिकेट की अपार संभावनाएं हैं और प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराने चाहिए।

रणजी ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश की भागीदारी को लेकर उन्होंने कहा कि प्रदेश में चार टीमें बनाने की आवश्यकता है। इससे अधिक खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सकेगा और प्रदेश की क्रिकेट प्रतिभाओं को बेहतर मंच मिल पाएगा। अपने क्रिकेट करियर के एक खास पल को याद करते हुए सुरेश रैना ने कहा कि यदि उन्हें कभी मौका मिला तो वह उस पारी को दोबारा खेलना चाहेंगे, जिसमें वह 87 रन के स्कोर पर रन आउट हो गए थे। उनके इस बयान ने क्रिकेट प्रेमियों के बीच उनकी यादगार पारियों और अधूरी रह गई उस पारी की चर्चा को फिर से जीवंत कर दिया।

सुरेश रैना ने उत्तर प्रदेश सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि प्रदेश में विकास हो रहा है। जौनपुर प्रीमियर लीग के फाइनल में उनकी मौजूदगी ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के साथ ही स्थानीय स्तर पर क्रिकेट प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का संदेश भी दिया।

उत्तर शक्ति

पीयू में विद्यार्थियों ने वेका टूल से सीखी मशीन लर्निंग की बारीकियां

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज के दूसरे व्याख्यान का बुधवार को सफल आयोजन किया गया। कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में 145 छात्र-छात्राओं ने ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. अनुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को वेका (WEKA) टूल के माध्यम से मशीन लर्निंग की मूल अवधारणाओं, डेटा विश्लेषण, डेटा की तैयारी तथा मॉडल के प्रशिक्षण और परीक्षण की जानकारी दी। उन्होंने व्यावहारिक उदाहरणों के जरिए बताया कि बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए डेटा का सही और व्यवस्थित होना आवश्यक है। कार्यक्रम का आयोजन संकाय के डीन प्रो. सौरभ पाल एवं विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में हुआ। आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव और कृष्ण कुमार यादव ने कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस लर्निंग सीरीज का उद्देश्य विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग के क्षेत्र में व्यावहारिक ज्ञान और तकनीकी कौशल प्रदान करना है। आगामी सत्रों में मशीन लर्निंग एल्गोरिदम, मॉडल मूल्यांकन और विद्यार्थियों की परियोजनाओं पर विशेष जोर दिया जाएगा।

उत्तर शक्ति

पीयू में ड्रोन बूटकैंप का तीसरा दिन संपन्न, छात्रों ने सीखा ड्रोन संचालन का कानूनी नियमन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सी-डैक, नोएडा के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय ड्रोन बूटकैंप के तीसरे दिन विद्यार्थियों को ड्रोन संचालन के कानूनी प्रावधानों, सेंसर तकनीक, लिडार तकनीक और ड्रोन असेंबली का प्रशिक्षण दिया गया।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कार्यशाला का निरीक्षण कर विद्यार्थियों के तकनीकी कौशल और नवाचार की सराहना की। उन्होंने छात्रों को आधुनिक तकनीक सीखने और प्रयोग के माध्यम से अपने कौशल को विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

सी-डैक की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने ड्रोन नियमों, पंजीकरण, उड़ान सुरक्षा और जिम्मेदार संचालन की जानकारी दी। वहीं, प्रोजेक्ट इंजीनियर किरण वालिया ने सेंसर एवं लिडार तकनीक, रिमोट सेंसिंग और डेटा मैपिंग के व्यावहारिक उपयोगों को समझाया।



प्रायोगिक सत्र में विद्यार्थियों ने ड्रोन के विभिन्न पुर्जों को जोड़कर असेंबल करना सीखा। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ड्रोन तकनीक और उसके व्यावहारिक अनुप्रयोगों में दक्ष बनाना है। आयोजन में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के शिक्षकों एवं सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अमर भारती

विद्यार्थियों ने वेका टूल से सीखी मशीन लर्निंग की बारीकियां

अमर भारती ब्यूरो

जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित 'एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज' के दूसरे व्याख्यान का बुधवार को सफल आयोजन किया गया। वेका टूल के माध्यम से मशीन लर्निंग की मूल अवधारणाएं विषय पर आयोजित यह व्याख्यान ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से संपन्न हुआ, जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों के 145 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

मुख्य वक्ता डॉ. अनुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग की मूल बातें, डेटा का विश्लेषण, डेटा की तैयारी तथा वेका टूल के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोई भी मशीन लर्निंग मॉडल तभी बेहतर काम करता है, जब उसका डेटा सही, साफ और उपयुक्त रूप में तैयार किया गया हो।

♦पीयू में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का दूसरा व्याख्यान संपन्न

डॉ. अग्रवाल ने विद्यार्थियों को सरल उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि डेटा में संख्यात्मक और श्रेणीबद्ध जानकारी कैसे होती है, खाली या गलत मान कैसे पहचाने जाते हैं तथा डेटा के वितरण, संबंध और असंतुलन का विश्लेषण क्यों आवश्यक है। उन्होंने डेटासेट की जांच से लेकर मॉडल का प्रशिक्षण, परीक्षण और परिणामों की समझ तक की पूरी प्रक्रिया वेका टूल के जरिए प्रदर्शित की।

उन्होंने कहा कि आज के तकनीकी युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग का ज्ञान विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी है।

इस तरह के व्यावहारिक प्रशिक्षण से विद्यार्थी केवल सैद्धांतिक जानकारी ही नहीं प्राप्त करते, बल्कि वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए तकनीक का उपयोग करना भी सीखते हैं।

कार्यक्रम का आयोजन इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के डीन प्रो. सौरभ पाल तथा कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव एवं कृष्ण कुमार यादव का कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इस लर्निंग सीरीज का उद्देश्य विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग के क्षेत्र में व्यावहारिक ज्ञान, तकनीकी कौशल और परियोजना-आधारित अधिगम के अवसर प्रदान करना है।

आगामी व्याख्यानों में विभिन्न मशीन लर्निंग एल्गोरिदम, मॉडल के मूल्यांकन तथा विद्यार्थियों की परियोजनाओं के प्रदर्शन पर विशेष जोर दिया जाएगा। आयोजन टीम ने विश्वविद्यालय प्रशासन, मुख्य वक्ता, शिक्षकगण एवं सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पहल टुडे

विद्यार्थियों ने वेका टूल से सीखी मशीन लर्निंग की बारीकियां

पीयू में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का दूसरा व्याख्यान संपन्न

पहल टुडे



जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज के दूसरे व्याख्यान का बुधवार को सफल आयोजन किया गया। वेका टूल के माध्यम से मशीन लर्निंग की मूल अवधारणाएं विषय पर आयोजित यह व्याख्यान ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से संपन्न हुआ, जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों के 145 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। मुख्य वक्ता डॉ. अनुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग की मूल बातें, डेटा का विश्लेषण, डेटा की तैयारी तथा वेका टूल के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोई भी मशीन लर्निंग मॉडल तभी बेहतर काम करता है, जब उसका डेटा सही, साफ और उपयुक्त रूप में तैयार किया गया हो।

डॉ. अग्रवाल ने विद्यार्थियों को सरल उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि डेटा में संख्यात्मक और श्रेणीबद्ध जानकारी कैसे होती है, खाली या गलत मान कैसे पहचाने जाते हैं तथा डेटा के वितरण, संबंध और असंतुलन का विश्लेषण क्यों आवश्यक है। उन्होंने डेटासेट की जांच से लेकर मॉडल का प्रशिक्षण, परीक्षण और परिणामों की समझ तक की पूरी प्रक्रिया वेका टूल के जरिए प्रदर्शित की।

उन्होंने कहा कि आज के तकनीकी युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग का ज्ञान विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी है। इस तरह के व्यावहारिक प्रशिक्षण से विद्यार्थी केवल सैद्धांतिक जानकारी ही नहीं प्राप्त करते, बल्कि वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए तकनीक का उपयोग करना भी सीखते हैं।

कार्यक्रम का आयोजन इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के डीन प्रो. सौरभ पाल तथा कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव एवं कृष्ण कुमार यादव का कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इस लर्निंग सीरीज का उद्देश्य विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग के क्षेत्र में व्यावहारिक ज्ञान, तकनीकी कौशल और परियोजना-आधारित अधिगम के अवसर प्रदान करना है। आगामी व्याख्यानों में विभिन्न मशीन लर्निंग एल्गोरिदम, मॉडल के मूल्यांकन तथा विद्यार्थियों की परियोजनाओं के प्रदर्शन पर विशेष जोर दिया जाएगा। आयोजन टीम ने विश्वविद्यालय प्रशासन, मुख्य वक्ता, शिक्षकगण एवं सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

ड्रोन संचालन से जुड़े कानूनी प्रावधान पर हुई चर्चा

कुलपति ने छात्रों के कौशल की सराहना की

पहल टुडे



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सी-डैक, नोएडा के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय मानव रहित विमान प्रणाली एवं उसका उपयोग बूटकैंप का तीसरा दिन ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक गतिविधियों से भरपूर रहा। बूटकैंप में विद्यार्थियों ने ड्रोन नियमन, सेंसर तकनीक, लिडार तकनीक तथा ड्रोन असेंबली का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कार्यशाला स्थल का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त किए जा रहे तकनीकी कौशल की सराहना की। उन्होंने छात्र-छात्राओं को नवाचार, प्रयोग और आधुनिक प्रौद्योगिकी सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। बूटकैंप में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी और उत्साह देखकर उन्होंने आयोजक टीम को भी बधाई दी। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में सी-डैक, नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने ड्रोन रूल्स एंड रेगुलेशंस पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने भारत में ड्रोन संचालन से जुड़े कानूनी प्रावधान, उड़ान सुरक्षा, पंजीकरण एवं जिम्मेदार उपयोग को सरल भाषा में समझाया। उनके लगभग दो दशकों के शोध एवं तकनीकी अनुभव ने सत्र को विशेष उपयोगी बनाया। दूसरे सत्र में सी-डैक की प्रोजेक्ट इंजीनियर किरण वालिया ने इंट्रोडक्शन टू सेंसर्स तथा लिडार तकनीक पर जानकारी दी। उन्होंने रिमोट सेंसिंग, डेटा मैपिंग और ड्रोन आधारित वास्तविक अनुप्रयोगों को उदाहरणों के साथ समझाया। विद्यार्थियों को उद्योग की समकालीन आवश्यकताओं और ड्रोन तकनीक के व्यावहारिक उपयोगों से रूबरू कराया गया। प्रायोगिक सत्र में विद्यार्थियों ने स्वयं ड्रोन के विभिन्न घटकों को जोड़ना अर्थात असेंबल करना सीखा। इस अभ्यास ने उनके तकनीकी आत्मविश्वास, समस्या-समाधान कौशल और विज्ञान के प्रति रुचि को और मजबूत किया। बूटकैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानव रहित विमान प्रणाली, सेंसर तकनीक और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों में दक्ष बनाना है। इस आयोजन को सफल बनाने में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के शिक्षकों एवं सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी, डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, शैलेश प्रजापति, सुधीर सिंह, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. पारुल त्रिवेदी, डॉ. ज्योति पी. सिंह, पूनम सोनकर, तुषार, विशाल, जया शुक्ला, नवीन चौरसिया तथा अनुराग प्रमुख रूप से शामिल रहे।

पहल टुडे

डायनामिक प्रोग्रामिंग से समस्याएं बनती हैं आसान : डॉ. कल्पना जौहरी

पीयू में डायनामिक प्रोग्रामिंग पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

पहल टुडे



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय एवं आई ईईई स्टूडेंट ब्रांच के संयुक्त तत्वावधान में सीएसई एवं आईटी के विद्यार्थियों के लिए डायनामिक प्रोग्रामिंग विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता सी-डैक नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने डायनामिक प्रोग्रामिंग के तकनीकी पक्ष को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि यह तकनीक कैसे जटिल समस्याओं को छोटे-छोटे भागों में तोड़कर हल करती है। उन्होंने इसके दो प्रमुख सिद्धांतों - ओवरलैपिंग सब-प्रॉब्लम्स और ऑप्टिमल सबस्ट्रक्चर की व्याख्या की। डॉ. जौहरी ने मेमोइजेशन और टेबुलेशन तकनीक के अंतर को उदाहरणों सहित स्पष्ट किया तथा 0/1 नैपसैक, लॉन्गेस्ट कॉमन सबसीक्वेंस जैसी समस्याओं में इसके उपयोग को बताया। उन्होंने कहा कि इसका उपयोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और प्रतियोगी प्रोग्रामिंग में बड़े पैमाने पर होता है। मुख्य वक्ता ने कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में नई शोध की संभावनाओं के बारे में चर्चा किया और भविष्य की संभावनाओं पर भी चर्चा किया। छात्रों ने इस विशेष व्याख्यान में पूरी रुचि से प्रतिभाग किया और व्याख्यान के अंत में अपने प्रश्नों को भी पूछा। कार्यक्रम का संचालन संयोजक रविकान्त यादव, द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ दिव्येंदु मिश्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ प्रशांत यादव, डॉ संतोष यादव, डॉ ज्ञानेंद्र पाल, डॉ सुनील यादव, पूर्णेन्द्र श्रीवास्तव, दीप्ति पांडे, अशोक यादव, दिलीप यादव, प्रवीण पांडे, कृष्ण कुमार यादव सहित विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

रणतुर्य

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों ने सीखा ड्रोन असेंबली और लिडार तकनीक का प्रशिक्षण

रणतूर्य संवाददाता
जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सी-डैक, नोएडा के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय मानव रहित विमान प्रणाली एवं उसका उपयोग बूटकैंप का तीसरा दिन ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक गतिविधियों से भरपूर रहा। इसमें विद्यार्थियों को ड्रोन नियमन, सेंसर तकनीक, लिडार तकनीक और ड्रोन असेंबली का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कार्यशाला स्थल का निरीक्षण कर विद्यार्थियों की ओर से अर्जित किए जा रहे तकनीकी कौशल की सराहना की। उन्होंने छात्र-छात्राओं को आधुनिक प्रौद्योगिकी सीखने, नवाचार करने और प्रयोगों के माध्यम से अपनी क्षमताओं को विकसित करने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी पर उन्होंने आयोजक टीम को भी बधाई दी।



बूटकैंप के प्रथम सत्र में सी-डैक, नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने ड्रोन रूल्स एंड रेगुलेशंस विषय पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने भारत में ड्रोन संचालन से जुड़े कानूनी प्रावधानों, पंजीकरण, उड़ान सुरक्षा और जिम्मेदार उपयोग के बारे में विद्यार्थियों को बताया। उनके लगभग दो दशक के शोध एवं तकनीकी अनुभव से विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी मिली।

दूसरे सत्र में सी-डैक की प्रोजेक्ट इंजीनियर किरण वालिया ने सेंसर और लिडार तकनीक की कार्यप्रणाली समझाई। उन्होंने रिमोट सेंसिंग, डेटा मैपिंग और ड्रोन के वास्तविक उपयोगों को उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट किया।प्रायोगिक सत्र में विद्यार्थियों ने ड्रोन के विभिन्न घटकों को जोड़कर असेंबल करना सीखा। इससे उनके तकनीकी आत्मविश्वास, समस्या समाधान कौशल और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा मिला। बूटकैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानव रहित विमान प्रणाली और उसके व्यावहारिक अनुप्रयोगों में दक्ष बनाना है।आयोजन को सफल बनाने में डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी, डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, शैलेश प्रजापति, सुधीर सिंह, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. पारुल त्रिवेदी, डॉ. ज्योति पी. सिंह, पूनम सोनकर, तुषार, विशाल, जया शुक्ला, नवीन चौरसिया और अनुराग सहित विभाग के शिक्षकों एवं सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कौटिल्य का भारत

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों ने सीखा ड्रोन असेंबली और लिडार तकनीक का प्रशिक्षण

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने किया निरीक्षण, आधुनिक तकनीक और नवाचार के लिए किया प्रेरित

कौटिल्य का भारत



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सी-डैक, नोएडा के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय 'मानव रहित विमान प्रणाली एवं उसका उपयोग' बूटकैंप का तीसरा दिन ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक गतिविधियों से भरपूर रहा। इसमें विद्यार्थियों को ड्रोन नियमन, सेंसर तकनीक, लिडार तकनीक और ड्रोन असेंबली का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कार्यशाला स्थल का निरीक्षण कर विद्यार्थियों की ओर से अर्जित किए जा रहे तकनीकी कौशल की सराहना की। उन्होंने छात्र-छात्राओं को आधुनिक प्रौद्योगिकी सीखने, नवाचार करने और प्रयोगों के माध्यम से अपनी क्षमताओं को विकसित करने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी पर उन्होंने आयोजक टीम को भी बधाई दी। बूटकैंप के प्रथम सत्र में सी-डैक, नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने 'ड्रोन रूल्स एंड रेगुलेशंस' विषय पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने भारत में ड्रोन संचालन से जुड़े कानूनी प्रावधानों, पंजीकरण, उड़ान सुरक्षा और जिम्मेदार उपयोग के बारे में विद्यार्थियों को बताया। उनके लगभग दो दशक के शोध एवं तकनीकी अनुभव से विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी मिली। दूसरे सत्र में सी-डैक की प्रोजेक्ट इंजीनियर किरण वालिया ने सेंसर और लिडार तकनीक की कार्यप्रणाली समझाई। उन्होंने रिमोट सेंसिंग, डेटा मैपिंग और ड्रोन के वास्तविक उपयोगों को उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट किया। प्रायोगिक सत्र में विद्यार्थियों ने ड्रोन के विभिन्न घटकों को जोड़कर असेंबल करना सीखा। इससे उनके तकनीकी आत्मविश्वास, समस्या समाधान कौशल और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा मिला। बूटकैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानव रहित विमान प्रणाली और उसके व्यावहारिक अनुप्रयोगों में दक्ष बनाना है। आयोजन को सफल बनाने में डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी, डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, शैलेश प्रजापति, सुधीर सिंह, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. पारुल त्रिवेदी, डॉ. ज्योति पी. सिंह, पूनम सोनकर, तुषार, विशाल, जया शुक्ला, नवीन चौरसिया और अनुराग सहित विभाग के शिक्षकों एवं सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

द आइडियल इंडिया

ड्रोन संचालन से जुड़े कानूनी प्रावधान पर हुई चर्चा

कुलपति ने छात्रों के कौशल की सराहना की, पीयू में ड्रोन बूटकैंप का तीसरा दिन संपन्न

आइडियल इंडिया न्यूज
डा राजेश जैन,जौनपुर

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान के



इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सी-डैक, नोएडा के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय ह्मानव रहित विमान प्रणाली एवं उसका उपयोगह्व बूटकैंप का तीसरा दिन ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक गतिविधियों से भरपूर रहा। बूटकैंप में विद्यार्थियों ने ड्रोन नियमन, सेंसर तकनीक, लिडार तकनीक तथा ड्रोन असेंबली का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कार्यशाला स्थल का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त किए जा रहे तकनीकी कौशल की सराहना की। उन्होंने छात्र-छात्राओं को नवाचार, प्रयोग और आधुनिक प्रौद्योगिकी सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। बूटकैंप में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी और उत्साह देखकर उन्होंने आयोजक टीम को भी बधाई दी। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में सी-डैक, नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने ह्मड्रोन रूल्स एंड रेगुलेशंसह्व पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने भारत में ड्रोन संचालन से जुड़े कानूनी प्रावधान, उड़ान सुरक्षा, पंजीकरण एवं जिम्मेदार उपयोग को सरल भाषा में समझाया। उनके लगभग दो दशकों के शोध एवं तकनीकी अनुभव ने सत्र को विशेष उपयोगी बनाया। दूसरे सत्र में सी-डैक की प्रोजेक्ट इंजीनियर किरण वालिया ने ह्मइंट्रोडक्शन टू सेंसर्सह्व तथा लिडार तकनीक पर जानकारी दी। उन्होंने रिमोट सेंसिंग, डेटा मैपिंग और ड्रोन आधारित वास्तविक अनुप्रयोगों को उदाहरणों के साथ समझाया। विद्यार्थियों को उद्योग की समकालीन आवश्यकताओं और ड्रोन तकनीक के व्यावहारिक उपयोगों से रूबरू कराया गया। प्रायोगिक सत्र में विद्यार्थियों ने स्वयं ड्रोन के विभिन्न घटकों को जोड़ना अर्थात असेंबल करना सीखा। इस अभ्यास ने उनके तकनीकी आत्मविश्वास, समस्या-समाधान कौशल और विज्ञान के प्रति रुचि को और मजबूत किया। बूटकैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानव रहित विमान प्रणाली, सेंसर तकनीक और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों में दक्ष बनाना है। इस आयोजन को सफल बनाने में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के शिक्षकों एवं सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी, डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, शैलेश प्रजापति, सुधीर सिंह, डॉ. रीतेश बसवाल, डॉ. पारुल त्रिवेदी, डॉ. ज्योति पी. सिंह, पूनम सोनकर, तुषार, विशाल, जया शुक्ला, नवीन चौरसिया तथा अनुराग प्रमुख रूप से शामिल रहे।

विद्यार्थियों ने वेका टूल से सीखी मशीन लर्निंग की बारीकियां

पीयू में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का दूसरा व्याख्यान संपन्न

आइडियल इंडिया न्यूज
डा राजेश जैन, जौनपुर

जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के



इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज के दूसरे व्याख्यान का बुधवार को सफल आयोजन किया गया। ह्मवेका टूल के माध्यम से मशीन लर्निंग की मूल अवधारणाएंह्व विषय पर आयोजित यह व्याख्यान ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से संपन्न हुआ, जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों के 145 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। मुख्य वक्ता डॉ. अनुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग की मूल बातें, डेटा का विश्लेषण, डेटा की तैयारी तथा वेका टूल के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोई भी मशीन लर्निंग मॉडल तभी बेहतर काम करता है, जब उसका डेटा सही, साफ और उपयुक्त रूप में तैयार किया गया हो। डॉ. अग्रवाल ने विद्यार्थियों को सरल उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि डेटा में संख्यात्मक और श्रेणीबद्ध जानकारी कैसे होती है, खाली या गलत मान कैसे पहचाने जाते हैं तथा डेटा के वितरण, संबंध और असंतुलन का विश्लेषण क्यों आवश्यक है। उन्होंने डेटासेट की जांच से लेकर मॉडल का प्रशिक्षण, परीक्षण और परिणामों की समझ तक की पूरी प्रक्रिया वेका टूल के जरिए प्रदर्शित की। उन्होंने कहा कि आज के तकनीकी युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग का ज्ञान विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी है। इस तरह के व्यावहारिक प्रशिक्षण से विद्यार्थी केवल सैद्धांतिक जानकारी ही नहीं प्राप्त करते, बल्कि वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए तकनीक का उपयोग करना भी सीखते हैं। कार्यक्रम का आयोजन इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के डीन प्रो. सौरभ पाल तथा कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव एवं कृष्ण कुमार यादव का कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस लर्निंग सीरीज का उद्देश्य विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग के क्षेत्र में व्यावहारिक ज्ञान, तकनीकी कौशल और परियोजना-आधारित अधिगम के अवसर प्रदान करना है। आगामी व्याख्यानों में विभिन्न मशीन लर्निंग एल्गोरिदम, मॉडल के मूल्यांकन तथा विद्यार्थियों की परियोजनाओं के प्रदर्शन पर विशेष जोर दिया जाएगा। आयोजन टीम ने विश्वविद्यालय प्रशासन, मुख्य वक्ता, शिक्षकगण एवं सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

उम्मीद ऑफ पब्लिक

हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

जौनपुर (उ.प्र.) से प्रकाशित

वर्ष 01, अंक 307
जौनपुर, गुरूवार
15 अक्टूबर, 2026
पृष्ठ 4, मूल्य 1 रूपया

उम्मीद ऑफ पब्लिक

www.ummidofpublic.com

PRGI Reg. No.: UPHIN/25/A4413



पेज : 2 उत्तर प्रदेश में नामांकन की चुनौतियां...

मिशन शक्ति अभियान में डॉ. प्रतिभा शुक्ला का बढ़ा मान पेज : 3

ड्रोन संचालन से जुड़े कानूनी प्रावधान पर हुई चर्चा

कुलपति ने की छात्रों के कौशल की सराहना

उम्मीद ऑफ पब्लिक सं.

सिद्दीकपुर, जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सी-डैक, नोएडा के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय 'मानव रहित विमान प्रणाली एवं उसका उपयोग' बूटकैंप का तीसरा दिन ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक गतिविधियों से भरपूर रहा। बूटकैंप में विद्यार्थियों ने ड्रोन नियमन, सेंसर तकनीक, लिडार तकनीक तथा ड्रोन असेंबली का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कुलपति प्रो. राकेश सिंह ने कार्यशाला स्थल का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त किए जा रहे तकनीकी कौशल की सराहना की। उन्होंने छात्र-छात्राओं को



नवाचार, प्रयोग और आधुनिक प्रौद्योगिकी सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। बूटकैंप में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी और उत्साह देखकर उन्होंने आयोजक टीम को भी बधाई दी। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में सी-डैक, नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने 'ड्रोन रूल्स एंड रेगुलेशंस' पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने भारत में ड्रोन संचालन से जुड़े कानूनी प्रावधान, उड़ान सुरक्षा, पंजीकरण एवं जिम्मेदार उपयोग को सरल भाषा में समझाया। उनके लगभग दो दशकों के शोध एवं तकनीकी अनुभव ने सत्र को विशेष उपयोगी बनाया।

दूसरे सत्र में सी-डैक की प्रोजेक्ट इंजीनियर किरण वालिया ने 'इंट्रोडक्शन टू सेंसर्स' तथा लिडार तकनीक पर जानकारी दी। उन्होंने रिमोट सेंसिंग, डेटा मैपिंग और ड्रोन आधारित वास्तविक अनुप्रयोगों को उदाहरणों के साथ समझाया। विद्यार्थियों को उद्योग की समकालीन आवश्यकताओं और ड्रोन तकनीक के व्यावहारिक उपयोगों से रूबरू कराया गया। प्रायोगिक सत्र में विद्यार्थियों ने स्वयं ड्रोन के विभिन्न घटकों को जोड़ना अर्थात असेंबल करना सीखा। इस अभ्यास ने उनके तकनीकी आत्मविश्वास, समस्या-समाधान कौशल और विज्ञान के प्रति रुचि को और मजबूत किया। बूटकैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानव रहित विमान प्रणाली, सेंसर तकनीक और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों में दक्ष बनाना है।

आयोजन को सफल बनाने में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के शिक्षकों एवं सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें डॉ. संतोष त्रिपाठी, डॉ. प्रवीण सिंह, शैलेश प्रजापति, सुधीर सिंह, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. पारुल त्रिवेदी, डॉ. ज्योति पी. सिंह, पूनम सोनकर, तुषार, विशाल, जया शुक्ला, नवीन चौरसिया तथा अनुराग प्रमुख रूप से शामिल रहे।